पुलिस ने गुम युवती को ढूंढ कर किया बरामद

बड़वानी। एसपी जगदीश डावर के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देश में जिले में लापता बालक-बालिकाओं की सुरक्षित दस्तयाबी के लिए ऑपरेशन मुस्कान अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत जुलवानिया पुलिस द्वारा एएसपी धीरज बब्बर के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा सतत पतारसी-जांच करते हुए थाना जुलवानिया में दर्ज गुम इंसान क्रं. 40/25 में वर्णित गुमशुदा युवती को दस्तयाब किया। युवती को उसके कथनों एवं विधिक प्रक्रिया अनुसार उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बड़वानी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जयति सिंह ने विधानसभा क्षेत्र क्रं. 190 बड़वानी के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम ओसाड़ा का दौरा किया। इस मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का निरीक्षण किया। कलेक्टर सिंह ने सोमवार को शहरी क्षेत्र के वार्डों में पहुंचकर बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से चर्चा की। उन्होंने बीएलओ से घर-घर जाकर सर्वे, भौतिक सत्यापन एवं गणना पत्रक एकत्रित किए जाने की वास्तविक स्थिति एवं डिजिटाइजेशन कार्य की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जयति सिंह ने उपस्थित अधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाई जाए और इसे समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और सभी अधिकारी इसे पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ पूरा करे,

आरोपी गिरफ्तार, कोर्ट ने भेजा जेल

बड़वानी। जिले के जुलवानिया थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। सोमवार को पुलिस ने मामले में खरगोन जिले के बिस्टान निवासी आरोपी राकेश पिता सखाराम को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना रविवार रात नीमघाट में हुई, जब 26 वर्षीय पीड़िता अलाव ताप रही थी। पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी मानसिक रूप से अस्वस्थ रहती है और अक्सर बिना बताए घर से चली जाती है। रात करीब 11.30 बजे जुलवानिया में आरोपी राकेश ने उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। आरोपी को जेएमएफसी कोर्ट राजपुर में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे केंद्रीय जेल बड़वानी भेज दिया। साथ ही पीड़िता का धारा 183 बीएनएसएस के तहत कोर्ट में बयान दर्ज कराया और कोर्ट के निर्देश पर जिला अस्पताल रैफर किया गया।

वर्तमान की रक्षा, भविष्य की सुरक्षा और देश की रक्षा लिए एसआईआर जरूरी : शर्मा

जिला भाजपा कार्यालय में हुआ जिला बैठक का आयोजन

बड़वानी, (नवभारत)। यह देश का मामला है, इस देश की वोटर लिस्ट में ऐसे अवांछनीय तत्व जिनके कारण देश की निर्वाचन प्रणाली खतरे में पड़ सकती है। उनको दूर करने के लिए एसआईआर की प्रक्रिया देश भर में हो रही है। उक्त बात प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सम्भाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने एसआईआर की जिला बैठक में भाजपा कार्यालय सभागृह में कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान की रक्षा के लिए, भविष्य की सुरक्षा के लिए व देश की रक्षा के लिए एसआईआर जरूरी है। आपका अखण्ड भारत आपका बूथ है बूथ जीता तो चुनाव जीता इसी लक्ष्य को

लेकर आप सभी को इस महत्वपूर्ण कार्य मे जुटना है।

कांग्रेस पार्टी को आड़ों हाथ लेते हुए कहा कि विरोधी दल आज भाजपा पर एसआईआर के माध्यम से वोट चोरी का आरोप लगा रही है जबकि एसआईआर की प्रक्रिया 1953 व 1967 के अतिरिक्त कई बार हो चुकी है। सिर्फ अंतर इतना है कि पहले होती थी तब पता नहीं चलता था और आज हो रही है तो पूरे देश को पता है। मतलब साफ है कांग्रेस अब तक फर्जी वोटों से जीतते आई है तथा देश की सबसे बड़ी एजेंसी चुनाव आयोग को भी बदनाम कर राष्ट्रविरोधी कार्य मे लगी हुई है जबकि देश का चुनाव आयोग निष्पक्ष रूप से एसआईआर का कार्य कर रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव ने अब तक के किए कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए कहा कि आगे भी संगठन के कार्य मजबूती के साथ किए जाएंगे तथा सभी कार्यकर्ताओं से एसआईआर के कार्य मे जुटने का आव्हान किया। एसआईआर जिला प्रमुख सुखदेव यादव ने जिलेभर में अब तक के हुए एसआईआर की विस्तृत से जानकारी दी।

इन्होंने भी किया सम्बोधित

इस दौरान जिला संगठन प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार, सांसद गजेंद्र सिंह पटेल व पानसेमल विधायक श्याम बरडे ने भी सम्बोधित किया। जिला मीडिया प्रभारी सुनील भावसार ने बताया कि सम्भाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा का प्रथम जिला आगमन पर जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पुष्प मालाओं से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

अतिथियों ने भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन जिला महामंत्री भागीरथ कुशवाह व आभार महामंत्री सचिन चौहान ने व्यक्त किया। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, पूर्व सांसद सुभाष पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष सोहन माहेश्वरी, ओमप्रकाश खंडेलवाल, ओमप्रकाश सोनी, अंतर सिंह पटेल, नप अध्यक्ष अश्विनी निक्कू चौहान, विकास आर्य, भगवती प्रसाद शिंदे व जया शर्मा मंचासीन रहे।

कई बार हो चुकी प्रक्रिया

- एसआईआर की प्रक्रिया कई बार हो चुकी है।
- भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर की सख्त कार्रवाई

बड़वानी। नगर परिषद पलसूद ने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध के तहत विशेष अभियान चलाया। जिसमें बाजार क्षेत्र व व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर जांच की गई। सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर तत्काल चालानी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक उपयोग करने वाले दुकानदारों पर 50 एवं 100 रूपए के चालान जारी किए गए। टीम ने व्यापारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाए जाने पर और भी कठौर कार्रवाई की जाएगी। नप नागरिकों और व्यवसायियों ने अपील की जा रही है कि पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्णत: उपयोग बंद करें और वैकल्पिक पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का उपयोग करें।

एमपी टॉस पोर्टल में अटकी छात्रवृत्तियां, विद्यार्थी भुगतान से वंचित

नवभारत न्यूज़
बड़वानी, 25 नवम्बर

जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में शासकीय और निजी महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति (एसटी) एवं अनुसूचित जाति (एससी) के हजारों छात्रों की एमपी टॉस पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पिछले चार वर्षों से अटकी हुई है। एमपी टॉस पोर्टल पर प्रोफाइल तैयार न हो पाने, आधार लिंक न होने और बैंक खातों के डीबीटी लिंक न होने के कारण 9 हजार 361 एसटी और 170 एससी विद्यार्थियों को अब तक छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं मिल सका। कई छात्र कक्षा उत्तीर्ण कर अगली कक्षा में प्रवेश भी ले चुके हैं, फिर भी पिछली छात्रवृत्ति लंबित है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से दी जाती है। इसके लिए एमपी टॉस पोर्टल पर छात्र की आधार, समग्र आईडी, जन्मतिथि, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र सहित सभी दस्तावेजों का मिलान कर प्रोफाइल तैयार की जाती है। इसके बाद आधार-लिंक बैंक खाते के माध्यम से डीबीटी द्वारा भुगतान किया जाता है। लेकिन जिले में अधिकांश विद्यार्थियों की प्रोफाइल अधूरी है, जिससे भुगतान अटका हुआ है।

60 प्रतिशत केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य का अंश

विभागीय जानकारी के अनुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में केंद्र सरकार का 60 प्रतिशत और राज्य सरकार का 40 प्रतिशत हिस्सा रहता है। राशि स्वीकृत होने के बाद पीओ जनरेट कर डीबीटी से सीधे छात्र के बैंक खाते में भेजी जाती है, लेकिन प्रोफाइल और सत्यापन प्रक्रिया अटकने से हजारों छात्रों को आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही।

आधार में गलत जन्मतिथि सबसे बड़ी समस्या

अधिकारियों के अनुसार विद्यार्थियों की प्रोफाइल तैयार में सबसे बड़ी बाधा आधार कार्ड में दर्ज गलत जन्मतिथि है। कई छात्रों के आधार से लिंक मोबाइल नंबर अब बंद हैं, जिससे ओटीपी प्राप्त नहीं होता और जन्मतिथि सुधार प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती। जन्मतिथि न सुधरने के कारण न तो प्रोफाइल तैयार हो पा रही और न ही बैंक खाते आधार से लिंक हो पा रहे। यही कारण है कि हजारों छात्र योजना से वंचित हैं।

विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित

एमपी टॉस पोर्टल पर दर्ज आंकड़े

एसटी वर्ग 9361 विद्यार्थी 2022-23 से अब तक भुगतान नहीं प्राप्त कर सके।

सबसे अधिक लंबित रू वर्ष 2024-25 के 6986 विद्यार्थी।

एससी वर्ग 170 विद्यार्थी भुगतान से वंचित।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान 2022-23 में शुरू हुआ था। तब से 2025-26 तक लगातार लंबित मामलों में वृद्धि देखी गई है।

कॉलेजों की धीमी प्रगति पर विभाग नाराज

जिला जनजाति विभाग द्वारा कॉलेज प्राचार्यों को कई बार पत्राचार कर छात्रों की प्रोफाइल तैयार कराने और डीबीटी लिंक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। धीमी प्रगति वाले प्राचार्यों को नोटिस भी जारी किए गए, लेकिन कई कॉलेजों ने अपेक्षित सहयोग नहीं किया। अधिकारियों के अनुसार जब तक छात्र अपने दस्तावेज सभी रूप में सही नहीं देंगे और बैंक खाता आधार से लिंक नहीं कराएंगे, प्रोफाइल पूर्ण नहीं होगी और छात्रवृत्ति का भुगतान असंभव रहेगा।

योजना के आंकड़े

एसटी पोस्ट मैट्रिक (2022-23 से 2025-26)

अप्लाइड 13424 भुगतान 12920

एससी पोस्ट मैट्रिक (2022-23 से 2025-26)

अप्लाइड 1094 भुगतान 1069

2024-25 और 2025-26 में लंबित मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इनका कहना है

अजा और अजजा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान विद्यार्थियों की अधूरी प्रोफाइल और बैंक खाते डीबीटी लिंक न होने की वजह से रुका है। कई छात्र दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा रहे और कॉलेज भी अपेक्षित रुचि नहीं दिखा रहे। जब तक प्रोफाइल पूरी नहीं होगी, भुगतान संभव नहीं है।

\- लवकेशसिंह राव, जिला छात्रवृत्ति प्रभारी, एसी विभाग, बड़वानी

डिजिटल अरेस्ट के पीड़ितों में 60 प्रतिशत रिटायर्ड अधिकारी

- अकेलेपन और सामाजिक दूरी का फायदा उठाते हैं ठग
- महिलाएं भी रहती हैं इनके निशाने पर

नव भारत न्यूज

इंदौर. साइबर अपराधियों की नई तरकीब 'डिजिटल अरेस्ट' लगातार बड़ी संख्या में लोगों को जाल में फंसा रही है. चिंताजनक बात यह है कि पीड़ितों में सबसे बड़ी संख्या रिटायर्ड अफसरों की है. राज्य साइबर सेल के आंकड़ों के अनुसार ऐसे मामलों में 60 प्रतिशत शिकार बुजुर्ग ही बन रहे हैं. पुलिस का कहना है कि सामाजिक रूप से अलग-थलग रहना, अकेले रहना और बच्चों का बाहर होना ठगों का आसान लक्ष्य बना देता है.

राज्य साइबर सेल के समक्ष पिछले दो दिनों में डिजिटल अरेस्ट के दो नए और गंभीर मामले सामने आए हैं. एक केस में रिटायर्ड मेडिकल अधिकारी अपनी जीवनभर की कमाई के सवा चार करोड़ रुपये खो बैठे. वहीं, दूसरे मामले में रिटायर्ड बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी, जो रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं तीन दिन की मानसिक कैद से बाल-बाल बचे. अखबार में छपी खबर पढ़कर उन्होंने साइबर सेल से संपर्क किया. महिला टीआई वर्दी में घर पहुंचीं तो ठगों ने तुरंत कॉल काट दिया और मामला वहीं शांत हो गया.

पिछले वर्ष डिजिटल अरेस्ट की 25 शिकायतें हुई थीं दर्ज

पिछले वर्ष क्राइम ब्रांच में लगभग 25 डिजिटल अरेस्ट शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें करीब 60 प्रतिशत पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी थे. कुछ उद्योगपति महिलाओं समेत पांच महिलाएं भी इस ठगी का शिकार बनीं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ज्यादातर पीड़ित अकेले रहते हैं, जिससे ठगों का दबाव और भय दिखाने वाली तकनीक उन पर जल्दी काम कर जाती है. पुलिस ने पिछले वर्ष प्रदेश स्तर पर डिजिटल अरेस्ट से जुड़े फर्जीवाड़े के खिलाफ बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया था. इसका असर यह रहा कि इस साल अब तक क्राइम ब्रांच के पास ऐसे सिर्फ पांच-छह ही मामले पहुंचे. लगभग आधा दर्जन लोगों को समय रहते बचाया भी गया.

पुलिस की सक्रियता से कई बुजुर्ग ठगी का शिकार होने से बचे

पुलिस द्वारा बैंक अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए थे कि यदि कोई बुजुर्ग अचानक बड़ी राशि निकालने आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दी जाए. इसी सतर्कता के चलते तुकोगंज क्षेत्र की एक रिटायर्ड महिला अधिकारी को एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने मौके पर पहुंचकर ठगी से बचाया था. इसी तरह इस वर्ष होटल और घरों से कुल पांच अन्य लोगों को भी पुलिस समय रहते डिजिटल अरेस्ट के जाल से निकाल चुकी है, कुल मिलाकर डिजिटल अरेस्ट के मामलों में अब तक 60 प्रतिशत रिटायर्ड अधिकारी रहें हैं, जिनकी अकेलेपन और सामाजिक दूरी का फायदा ठगों ने उठाया.

लोधिया कुंड में पिकनिक के दौरान छात्र की डूबने से मौत

- दो साथी मौके पर मौजूद थे, लेकिन छात्र को बचाया नहीं जा सका
- लोधिया कुंड में पहले भी हो चुके तीन-चार हादसे

इंदौर. सिमरोल क्षेत्र के लोधिया कुंड में एक बार फिर लापरवाही जानलेवा साबित हुई. रीवा का रहने वाला 22 वर्षीय छात्र अपने दो साथियों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचा था, जहां नहाते समय उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में समा गया. पुलिस और ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला.

पुलिस के अनुसार, श्रेयांश पिता आनंदीलाल गुप्ता, निवासी रीवा, होलकर साइंस कॉलेज में पढ़ाई के साथ पीएससी की तैयारी कर रहा था. वह भोलाराम उस्ताद मार्ग पर किराए के कमरे में रहता था. रविवार को वह एक युवक और एक युवती के साथ सिमरोल से करीब 10 किमी अंदर लोधिया कुंड पहुंचा, जहां नहाते समय उसका संतुलन बिगड़ा और वह गहराई में डूबने लगा. उसके साथी युवक ने हाथ पकड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन वह खुद भी पानी में डूबने लगा. युवती ने उसे खींचकर बाहर निकाला, लेकिन श्रेयांश को नहीं बचाया जा सका. साथियों ने तुरंत पुलिस को कॉल किया. बाद में पुलिस और ग्रामीणों ने पहुंचकर तलाश की और शव को कुंड से बाहर निकाला. इस स्थान पर पहले भी तीन-चार लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं.

परिवार का इकलौता बेटा था श्रेयांश

जानकारी के मुताबिक श्रेयांश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था. उसके पिता रीवा में आटा चक्की चलाते हैं और उसकी एक बहन रीवा मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही है. परिजनों ने बताया कि उन्होंने श्रेयांश को महज 4 महीने पहले ही पढ़ाई के लिए इंदौर भेजा था. पिता को छात्र के मोबाइल से ही हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद बदहवास परिवार इंदौर पहुंचा.

एक नजर में आय की तुलना में खर्च बढ़ने से लोग अपनी जीवन शैली में बदलाव करने को मजबूर

बढ़ती मंहगाई ने आम लोगों के बजट पर डाला सीधा असर

इंदौर. पिछले एक दशक में घरेलू सामग्रियों जैसे खाद्य पदार्थ, ईंधन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है. बढ़ती महंगाई ने आम लोगों के बजट पर सीधा असर डाला है, जिससे कई लोगों को अपनी जीवन शैली और खर्चों में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा है. जब खर्च बढ़ते हैं और आमदनी स्थिर रहती है या उस गति से नहीं बढ़ती, तो आर्थिक दबाव महसूस होना स्वाभाविक है.

इसी कारण महंगाई को नियंत्रित करने के लिए फिर से आवाजें उठ रही हैं.

मानव जीवन से जुड़ी घरेलू सामग्री यानी रसोई में लगने वाली रोजमर्रा की सामग्री जैसे दाल, चावल, आटा, गरम मसाले, चीनी, चाय पत्ती, तेल, रसोई गैस जैसी सभी सामग्रियों की कीमतों में बड़ा उछाल बरकरार है. ऐसे में मध्य निम्न और मजदूर वर्ग महंगाई की चक्की में पिस रहा है. पूर्व में जहां ग्रहणियां महीने पर घर आने वाली तनख्वाह में से कुछ राशि बचा भी लिया करती थीं, लेकिन महंगाई के चलते अब उन्हें गृहस्थी की गाड़ी चलाने के लिए छुटपुट कार्य भी करना पड़ रहा है. वहीं, पुरुष वर्ग की व्यथा यह है कि पिछले सात वर्षों में नौकरी पेशा के मासिक वेतन में कोई वृद्धि नहीं हो पाई है. कुल मिलाकर यह हुआ कि आमदनी की तुलना में महंगाई के कदम काफी तेज गति से चल रहे हैं. अपनी आर्थिक स्थिति और जीवन स्तर को बेहतर बनाने महंगाई को कम करने के लिए सरकार के सामने लोगों में

यह बोले आम नागरिक...

पहले के समय में कमाई कम थी और घर में खाने वाले ज्यादा थे, फिर भी बरकत रहती थी. अब कितना भी काम करो और कमाओ, खर्चे बहुत ज्यादा हैं, क्योंकि महंगाई बढ़ गई है.

\- यूनुस खान

पहले महिलाओं का सेविंग करना पुरुषों के लिए बहुत ही लाभदायक साबित होता था, लेकिन अब हालत यह हो गई है कि ज्यादा कमाने के बाद भी महंगाई की मार से कोई नहीं बच रहा. खर्चे पूरे नहीं हो रहे, बचत तो दूर की बात.

\- रवि शिकरे

राशन कंट्रोल की सामग्री के अलावा बाकी कई जरूरतें होती हैं, महंगाई से हर वर्ग परेशान हो चुका है. केंद्र और राज्य सरकार को महंगाई कम करने के लिए नीति बनानी चाहिए और आम लोगों को राहत देना चाहिए.

\- दशरथ मोरे

डिप्रेशन में मेडिकल स्टोर संचालक ने दी जान

- निर्माणाधीन मकान से गिरकर श्रमिक की मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के विभिन्न इलाकों से रविवार को चार दर्दनाक घटनाएं सामने आईं. कहीं मानसिक तनाव से परेशान मेडिकल स्टोर संचालक ने जहरीली गोली खा ली, तो कहीं काम के दौरान असंतुलित होकर गिरने से श्रमिक की मौत हो गई. उधर, नशे में धुत बाइक सवार की लापरवाही ने एक बेग कारीगर की जान ले ली, जबकि खुड़ैल क्षेत्र में एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. चारों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

रावजी बाजार थाना क्षेत्र के साउथ तोड़ा में मेडिकल स्टोर संचालक 35 वर्षीय तौफीक ने लंबे समय से चल रहे कथित डिप्रेशन के कारण जहरीली गोली खाकर आत्महत्या कर ली. जांच अधिकारी ने बताया कि तौफीक मानसिक तनाव से जूझ रहा था. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में मर्ग कायम कर लिया है, आत्महत्या के वास्तविक कारणों की जांच जारी है. वहीं, तीन इमली इलाके में निर्माण कार्य के दौरान एक श्रमिक की मौत हो गई. मृतक 38 वर्षीय कमलेश, निवासी अशोकनगर, कुछ दिन पहले रोजगार की तलाश में इंदौर आया था. काम करते वक्त वह दूसरी मंजिल से अचानक नीचे गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया. पुलिस हादसे में लापरवाही की संभावना सहित हर पहलू से जांच कर रही है.

युवक ने जहर खाकर किया सुसाइड

खुड़ैल क्षेत्र के ग्राम गारिया खुड़ेल में 26 वर्षीय जितेंद्र ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया. परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने केस दर्ज कर जहर खाने के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.

शराबी बाइक सवार ने पैदल राहगीर को टक्कर मारी, मौत

इंदौर. नगर निगम सर्विस रोड पर हुई एक और घटना में 37 वर्षीय शैलेष, निवासी विजय नगर, को नशे में धुत एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी. बेग कारीगरी का काम करने वाला शैलेष पैदल जा रहा था कि अचानक आई बिना नंबर की एक बाइक ने उसे उड़ा दिया. गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी बाइक सवार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. शैलेष के परिवार में माता-पिता और एक बड़ा भाई है. पत्नी काफी पहले अलग हो चुकी है. विजय नगर पुलिस ने आरोपी बाइक सवार को पकड़ लिया है. मृतक के साथी नैतिक के मुताबिक आरोपी युवक नशे में धुत था. पूछताछ में वह बता रहा था कि उसके कई चालान पहले से लंबित हैं. पुलिस अब उससे पूछताछ कर जांच कर रही है.

हॉस्टल-फ्लैट में हो रही लगातार चोरी की वारदातें

इंदौर. शहर के अलग-अलग इलाकों में एक ही सप्ताह में हॉस्टल और फ्लैट से चोरी की कई वारदातें सामने आई. खुले दरवाजे और खिड़की से भीतर घुसे बदमाश महंगे मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट लेकर फरार हो गए. पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है.

संयोगितागंज, बाणगंगा और भंवरकुआं थाना क्षेत्रों में बीते दिनों चोरी की वारदातें बढ़ गई हैं. अधिकतर घटनाओं में चोरों ने कमरों का मेन गेट या खिड़की से कमरों में घुसकर कीमती इलेक्ट्रॉनिक गैजेट उड़ा लिए. सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है. जानकारी के अनुसार संयोगितागंज थाना क्षेत्र में ध्रुव सोलंकी ने शिकायत दर्ज कराई कि 21 नवंबर की सुबह उसके रूममेट के बाहर जाते समय मेन गेट खुला रह गया था. लगभग 7.30 बजे जब वह और उसका दोस्त अरिहंत जागे, तो कमरे से एचपी कंपनी का लैपटॉप, दस्तावेज और अरिहंत का आईफोन गायब था.